नगर परिषद्, नागौर

(कृपाराम सोलंकी)
सभापति
नगर परिषद्,नागौर

(श्रवण चौधरी)
आयुक्त
नगर परिषद्,नागौर

–: परिचयः–

विश्व में भक्ति रस की अजस्ट धारा बहाने वाली भक्त शिरोमणी मींरा की पवित्र धरा, भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की स्थापना सन् 1959 में दिव्य ज्योती प्रज्ज्वलित करने वाली विकास भूमि वीर तेजाजी व अपने आन बान के धनी स्वाभिमानी वीर वर राव श्री अमरसिंह राठौड़ की वीर प्रस्वनी एंव हस्त औजारों में विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक नगरी की इतिहासकारों के अनुसार नागौर की स्थापना सातवीं शताब्दी में बैशाख सुदी तीज यानि आखातीज पर राजा हर्ष ने की उनके वंशज राजा गीदाजी ने आगे चलकर गिनाणी तालाब व मन्दिर बनवाए व नागौर का सर्वाधिक विकास हुआ है। विक्रम सम्वत 1211 में आखातीज के मौके पर ही नागौर किले की नींव रखी गई है।

नागौर की प्यास बुझाने में किसी जमाने में शहर के गिनाणी तालाब, समस, लालसागर, बख्तसागर, प्रताप सागर, झड़ा तालाब एंव शक्कर तालाब तथा ऐतिहासिक अमरसिंह की बावड़ी भंयकर पीने के पानी की किल्लत शहरवासियों के लिए पीने के पानी का महत्वपूर्ण श्रोत थी।

नागौर नगर पालिका का प्रथम चुनाव सन् 1938 में हुआ था, नगरपालिका के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष श्री शिवदयाल दवे थे। नागौर नगर परिषद् 16 वर्ग किलोमीटर में बसा हुआ है, जिसमे कुल 45 वार्ड हैं। जनसंख्या 2011 (1,02,669) है।

श्रीमान् उपशासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग,राजस्थान,जयपुर के अधिसूचना क्रमांक प.6(ग)( )नियम/श्रेणी/एलएसजी/12/4091/दिनांक 30.04.2012 द्वारा नागौर को नगरपरिषद् घोषित किया गया। वर्तमान मे नगरपरिषद् नागौर का चुनाव अगस्त 2015 को हुआ। वर्तमान मे नागौर शहर को अमृत शहर योजना के अन्तर्गत चयन किया गया है।

एक कदम स्वच्छता की ओर

नगरपरिषद् मे किये जाने वाले कार्यः–

क्र.सं.	कार्य का नाम	क्र.सं.	कार्य का नाम
1	सफाई व्यवस्था	2	विद्युत व्यवस्था
3	सड़क–नाली निर्माण	4	सिवरेज व्यवस्था
5	जल वितरण व्यवस्था	6	भवन निर्माण स्वीकृति
7	नियमन	8	भू–उपयोग परिवर्तन
9	कृषि भूमि रूपान्तरण पट्टे	10	विवाह प्रमाण–पत्र
11	जन्म मृत्यु–प्रमाण पत्र	12	स्टेट ग्राण्ट एक्ट पट्टे
13	नगरपरिषद् द्वारा आवंटित भू–खण्ड की लीज	14	विवाह स्थल पंजीयन
15	खांचा भूमि विक्रय	16	नगरीय विकास कर
17	राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना		

शहरी जलप्रदाय योजना नागौर का संक्षिप्त विवरण

नागौर शहर की 2011 की जनगणना के अनुसार कुल आबादी 105218 है जो वर्तमान में 120000 के लगभग है । शहरी जल व्यवस्था को अप्रेल 2013 से जलदाय विभाग से नगर परिषद नागौर को एक सहायक अभियन्ता दो कनिष्ठ अभियन्ता व 89 कार्मिक (पंप चालक, फिटर, सहायक, चोकीदार इत्यादी) भी विभिन्न संसाधनो सहित हस्तान्तरित कर दिये गये । वर्तमान में शहरी क्षैत्र को नहरी पानी एवं 2 स्थानीय नलकूपो से सप्लाई दी जा रही है शहर में कुल 3 नग स्वच्छ जलाशय जिनकी क्षमता 3000 कि0ली0 है एवं 19 नग उच्च जलाशय है जिनकी क्षमता 11300 कि0ली0 है वर्तमान शहर में कुल 17503 जल संबंध है उनमे से 7546 फ्लेट एवं 9957 मीटर जल संबंध है । नगर परिषद में हस्तान्तरित होने से पूर्व यहां 14310 जल संबंध थे ।

नागौर शहर में कुल 66 हैण्डपंप 15 नग सिंगल फेज कार्यरत्त है। वर्ष 2014–15 में शहरी क्षैत्र के लिये 20 नये हैण्डपंपो के लिए विधायक महोदय की अभिशंषा में से 18 हैण्डपंप का निर्माण कर उनमे से 6 चालू किये जा चुके है। शहर को 100 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन के अनुसार कुल 12 एम.एल.डी. पानी दिया जा रहा है। शहर में जल वितरण के 32 जॉन है उनमे से 19 जॉन में 24 घंटे के अन्तराल से एवंम् शेष 13 जोनो में 48 घंटे के अन्तराल से पेयजल वितरण किया जाता है ग्रीष्म ऋतु में शहर में टेंकर से जल परिवहन शून्य रहा है ।

RUSIDP के अन्तर्गत नागौर शहर की प्रगतिशील योजना :

RUSIDP फेज द्वितीय के प्रथम पेकेज के अन्तर्गत नागौर शहर की पुनगठित जल प्रदाय योजना की रूपये 29.00 करोड की स्वीकृति प्राप्त की गई थी जिसके विरूद्ध मार्च 2015 तक 24.50 करोड का व्यय किया जाकर नागौर शहर में कुल 7 उच्च जलाशय का निर्माण पूर्ण कर चालू किया जा चुका है । इसके अतिरिक्त कांकरिया स्कूल में एक स्वच्छ जलाशय तथा पंप हाऊस का कार्य पूर्ण कर चालू किया जा चुका है । योजना में स्वीकृत कुल 86 कि.मी. वितरण पाईप लाईन में से 75.76 कि.मी. पाईप लाईन डाली जाकर 71.5 कि.मी. चालू की जा चुकी है । योजना में राईजिंग पाईप लाईन 18.5 कि.मी. पाईप लाईन डाली जाकर चालू की जा चुकी है । योजना के अन्तर्गत शहरी क्षैत्र में जल उपभोक्ताओ के मीटर बदलने का कार्य प्रगति पर है । अब तक कुल 4950 मीटर लगाये जा चुके है । वर्तमान में **RUSIDP** फेज द्वितीय के पेकेज द्वितीय में तीन उच्च जलाशय एवं इनकी राईजिंग मेन का प्रावधान के अनुसार कार्य प्रारम्भ किया गया है।

प्रथम पेकेज के तहत बनाये गये उच्च जलाशयो के जॉन निर्धारण करने के लिए ड्रोईग डिजाईन के अनुसार पुनः डिजाईन करके रूडिप द्वारा 62.00 लाख का अतिरिक्त पाईप लाईनो का कार्य एवंम् जोनिंग का कार्य प्रगति पर है । साथ ही इस प्रथम पैकेज में डाली गई पाईप लाईने जो अभी तक कही से जुडी नही है उनको जोडना भी आवश्यक है जिसके लिए बार–बार जिला स्तरिय मिटिंगो में वार्ता के अनुसार इस कार्यालय को भी रूडीफ के अधिकारी शीध्र प्रारम्भ करने का आश्वासन दे रहे है ।

1. **अमृत योजना :** भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार नागौर शहर की जनसंख्या 1 लाख से ऊपर है इसलिए इसमे जल प्रदाय योजना के सुदृढीकरण हेतु अमृत योजना में चयन किया गया है जिसमें पुरानी, चोक्ड एवं पोल्यूटेड बार–बार लिकेज होने वाली लाईनो को बदलने मीटर लगाने एवं कमजोर कोलोनीयो तथा नयी विकसीत कोलोनियो मे नई लाईनो के विस्तार के कार्य हेतु डीपीआर बनाने के लिये निविदा का कार्य प्रकियाधीन है ।

मिशन अनुपम योजना अन्तर्गत भामाशाहों एवं दानदाताओं द्वारा गोद लिये गये चौराहे

क्र.सं.	चौराहे का नाम	भामाशाह का नाम	संधारण की अवधि
1.	रेल्वे स्टेशन	सैनिक क्षत्रिय माली संस्थान,नागौर	5 वर्ष
2.	शारदाबाल निकेतन विद्यालय के पास	श्री खतर गच्छीय संघ	आजीवन,
3.	डेह रोड़	संत लिखमीदास स्मारक विकास संस्थान	5 वर्ष
4.	श्री बल्लभ चौराहा	श्री जैन श्वेताम्बर तपा गच्छीय श्री संघ नाागौर	आजीवन
5.	मानासर	वीर तेजा संस्था	3 वर्ष
6.	बासनी	रोटरी कल्ब	–
7.	मूण्डवा चौराहा	नगरपरिषद्,नागौर	आजीवन
8.	कलेक्ट्रेट	नगरपरिषद्,नागौर	आजीवन
9.	हॉस्पीटल	श्री परशुराम जयंति आयोजन समिति	तीन वर्ष
10.	कोतवाली	नगपरिषद्,नागौर	आजीवन

क्र.सं.	फव्वारों की सूचि	फव्वारे
1.	रेल्वे स्टेशन	हाँ
2.	शारदाबाल निकेतन विद्यालय के पास शारदा पुरम	हाँ
3.	डेह रोड़	हाँ
4.	मानासर चौराहा	हाँ
5.	हॉस्पीटल	हाँ
6.	नेहरू उद्यान	हाँ
7.	गाँधी वाटीका	हाँ
8.	गाँधी चौक	हाँ

क्र.सं.	रैन बसेरों की सूचि
1.	नकास गेट के पास
2.	व्यास कॉलोनी
3.	डेह रोड़

क्र.सं.	सामुदायिक भवन
1.	भार्गव बस्ती
2.	हरिजन बस्ती
3.	मेघवाल बस्ती

क्र.सं.	उद्यानों की सूचि
1.	नेहरू उद्यान नगर परिषद्,परिसर
2.	गाँधी वाटीका नगरपरिषद्,परिसर
3.	एम.डी.एच. पंचवटी उद्यान बीकानेर–जोधपुर बाईपास
4.	ज्योतिबा फूले उद्यान हनुमानबाग
5.	नक्षत्र पार्क आवासन मण्डल कॉलोनी, ताऊसर रोड़

न्यायालयों मे लम्बित प्रकरणों की संख्या

क्र.सं.	कोर्ट का नाम	संख्या
1.	मुन्शिफ कॉर्ट	98
2.	अतिरिक्त मुन्शिफ न्यायालय	14
3.	अतिरिक्त जिला सेशन न्यायालय	76
4.	जिला उपभोक्ता मंच	03

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

5.	राजस्व अपील प्राधीकरण	02	
6.	उच्च न्यायालय	47	
	कुल योग	**240**	
नगरपरिषद्,नागौर द्वारा आवंटित कॉलोनी			
क्र.सं.	**कॉलोनी के नाम**	**क्र.सं.**	**कॉलोनी के नाम**
1	मानसर स्टाफ कॉलोनी	**2**	जय नारायण व्यास कॉलोनी
3	संत बलरामदास कॉलोनी	**4**	अमरसिंह कॉलोनी
5	संजय कॉलोनी	**6**	अजमेरी दरवाजा के बाहर
7	इन्दिरा कॉलोनी	**8**	इन्दिरा विस्तार कॉलोनी
9	नेहरू कॉलोनी	**10**	सैनिक बस्ती
11	व्यावसायिक योजना खसरा नम्बर 53	**12**	हनुमानबाग कॉलोनी
13	किइवई कोलोनी	**14**	डीडवाना रोड़ उत्तर
15	महाराणा प्रताप कॉलोनी(निशुल्क आवंटन)		
	कच्ची बस्तीयों की सूची		
1	रेल्वे स्टेशन के पश्चिम मे गवारिया बस्ती।		
2	सांसी बस्ती जाजोलाई।		
3	नायक व खटीक बस्ती दुलाया।		
4	कुम्हारी दरवाजा के बाहर नायक बस्ति।		
5	समस तालाब के उपर की बस्ती इस्लामपुरा।		
6	दिल्ली दरवाजा के बाहर नायक बस्ती।		
7	खत्रीपुरा मेघवाल बस्ती।		
8	रोड़वेज डिपों के पीछे ओड व गवारिया बस्ती।		
9	डेह रोड़ रेगर बस्ती।		
10	बच्चा खाडा नायक व खांजी बस्ती।		
11	रेगर भांभी बस्ती बड़ली।		
12	किदवाई कॉलोनी के उत्तर की बस्ती।		

एक कदम स्वच्छता की ओर

सार्वजनिक भवन निर्माण की सूची

1. टाऊन हॉल 29.11.2011 को बनकर तैयार हुआ। उद्घाटन श्रीमान् माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गेहलोत 01.12.2011। व्यय पर राशि 300.396 लाख जोकि टी.सी.आई.एल. कम्पनी नई दिल्ली द्वारा निर्माण करवाया गया